मिथिला क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक

858. **श्री हुक्मदेव नारायण यादव** : क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मिथिला क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक में प्रत्येक ग्रेड में कुल कितने कर्मचारी काम कर रहे हैं और उनमें हरिजन व्यक्तियों की संख्या क्या है ;

(ख) क्या यह सच है कि इस बैंक में पैनल के आदमियों की सरासर अवहेलना कर तदर्थ आधार पर नियुक्तियां की जा रही हैं तथा भर्ती करने वालों के रिश्तेदारों को ही नौकरी दी जा रही है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि संपूर्ण नियुक्तियों में एक खास जाति के ही लोगों को अधिकतम नौकरियां दी गयी हैं ; यदि हां, तो उसके कारण क्या हैं ; और

(घ) क्या यह भी सच है कि इस बैंक के अध्यक्ष पद पर समुचित योग्यता वाले व्यक्ति को नहीं रखा गया है ?

वित्त मंत्री (श्री आर० वेंकटरामन) : (क) सितम्बर, 1981 के अन्त की स्थिति के मुताबिक बैंक में 54 अधिकारी, 34 क्लर्क-कम-कैशियर और एक ड्राइवर थे। इनमें से कोई भी अनु० जाति या अनु० जनजाति का नहीं था। किन्तु बैंक ने 21 अस्थाई कर्मचारी भी नियुक्त किये थे जिनमें से चार आरक्षित श्रेणी के थे। अन्य बैंकों की तरह यह बैंक अधीनस्थ स्टाफ को दैनिक मजदूरी के आधार पर नियुक्त करता है और उसमें अनु० जाति/अनु० जनजाति का प्रतिनिधित्व है। किन्तु इस प्रकार के दैनिक मजदूरी वाले स्टाफ की संख्या बैंक की आवश्यकता के मुताबिक समय-समय पर घटती बढ़ती रहती है।

(ख) बैंक ने सूचित किया है कि उसके पास अधिकारियों और क्लर्क-कम-कैशियरों की नामिका (पैनल) नहीं है। क्योंकि इसे अपनी शाखाओं में कर्मचारी रखने में दिक्कत हो रही थी, बैंक के निदेशक मंडल ने शाखाओं को चलाने की दृष्टि से तदर्थ नियुक्तियां करने का निर्णय किया था। इन तदर्थ नियुक्तियों में अनु० जाति के उम्मीदवारों को प्रतिनिधित्व दिया गया है।

(ग) भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अलग से कराई गई जांच से बैंक द्वारा उम्मीदवारों के चयन में किसी प्रकार के अनुचित जातिगत विचार को अपनाए जाने का पता नहीं चला है।

(घ) जी, नहीं।

प्रथम दस एकाधिकार घरानों द्वारा संचालित धर्मार्थ संस्थाएं

859. **श्री हुक्मदेव नारायण यादव** : क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) प्रथम दस एकाधिकार घरानों द्वारा चलाए जा रहे न्यासों अथवा धर्मार्थ संस्थाओं की संख्या कितनी है ; उनके नाम तथा पते क्या हैं ; उनमें कितनी पूंजी लगी हुई है ; इन न्यासों तथा धर्मार्थ संस्थाओं ने अब तक कितनी धनराशि खर्च की है ; कुल कितनी धनराशि पर एकाधिकार घरानों को कर से छूट दी गई है तथा कर-छूट की धनराशि कितनी है ; तथा वे विभिन्न शीर्ष कौन-कौन से हैं जिनके अन्तर्गत उक्त घरानों को इस कारण करों से छूट दी गयी कि उन्होंने वह धनराशि इन न्यासों तथा धर्मार्थ संस्थाओं को दान कर दी है ;

(ख) क्या यह सच है कि इन न्यासों तथा धर्मार्थ संस्थाओं की पूंजी का